मैल्कम एक्स

यात्रा
जेद्दा, सऊदी अरब, 1964
अप्रैल 1964 में अश्वेत मानव अधिकार नेता मैल्कम एक्स ने सऊदी अरब की यात्रा की. एक मुसलमान होने के नाते, उन्हें अपने जीवन में एक बार मक्का की तीर्थयात्रा करना ज़रूरी थी.
यह यात्रा मेरे जीवन को बदल सकती है.
वो अमरीकी कुछ संदिग्ध लगता है.
मैं एक मुसलमान हूँ! मैं मैल्कम एक्स हूं! क्या आप मुझे नहीं जानते?
मेरे साथ आएं, सर.
मैंने अपने जीवन में कई संघर्ष किए हैं ...
लेकिन अभी तक मुझे कोई भी रोक नहीं पाया है!
आने वाले संघर्षों का मैल्कम को कोई अंदाज़ नहीं था. नौ महीने बाद उसके घर पर बम्ब फेंका गया.

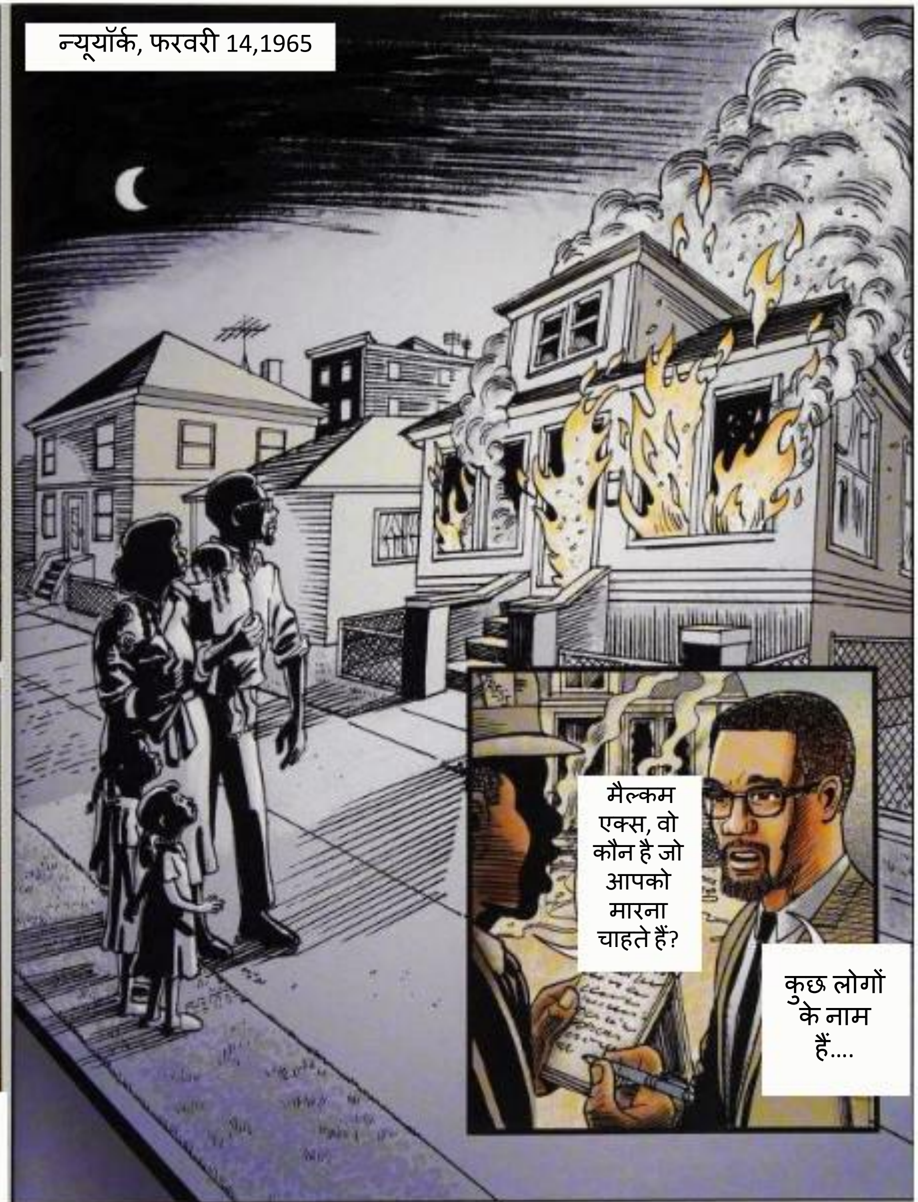
न्यूयॉर्क, फरवरी 14,1965
मैल्कम एक्स, वो कौन है जो आपको मारना चाहते हैं?
कुछ लोगों के नाम हैं....

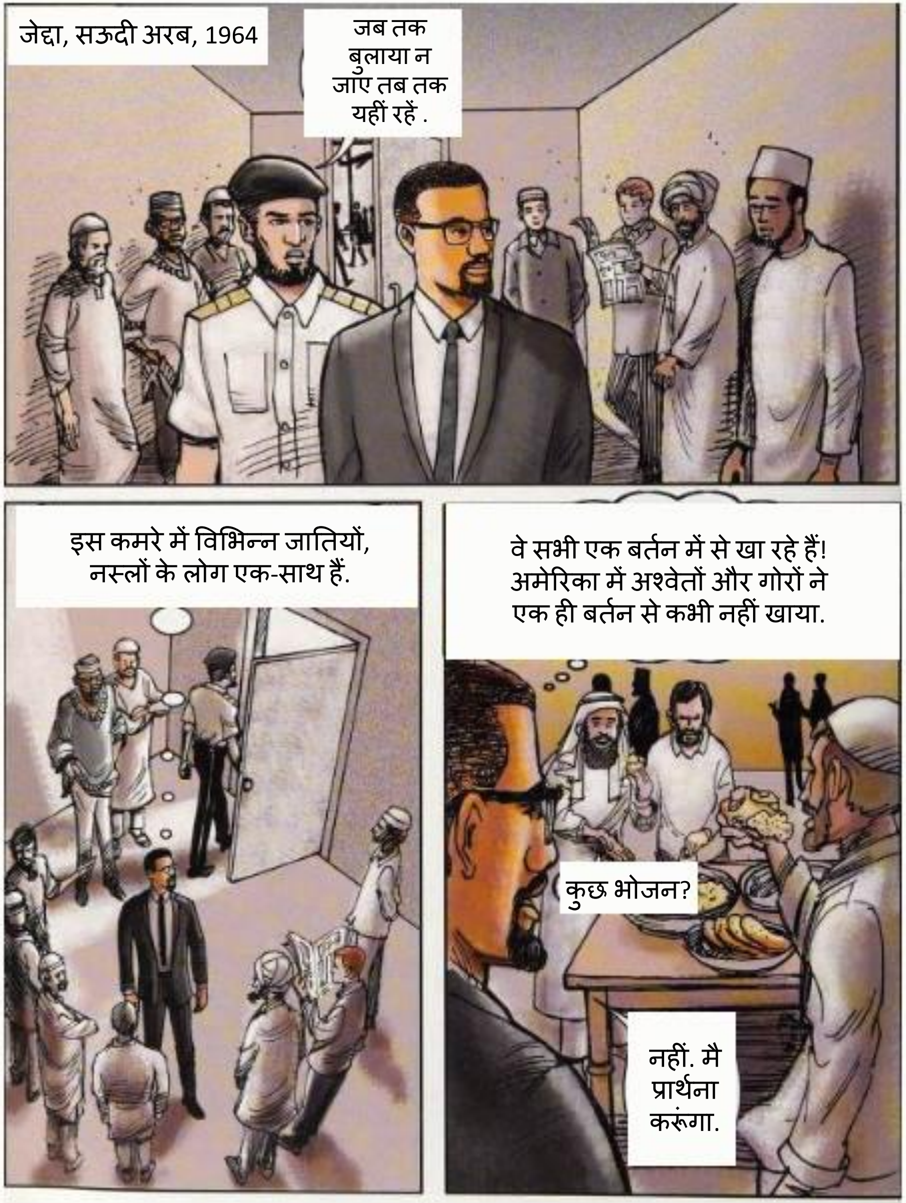

जेद्दा, सऊदी अरब, 1964
जब तक बुलाया न जाएं तब तक यहीं रहें .
इस कमरे में विभिन्न जातियों, नस्लों के लोग एक-साथ हैं.
वे सभी एक बर्तन में से खा रहे हैं! अमेरिका में अश्वेतों और गोरों ने एक ही बर्तन से कभी नहीं खाया.
कुछ भोजन?
नहीं. मै प्रार्थना करूंगा.

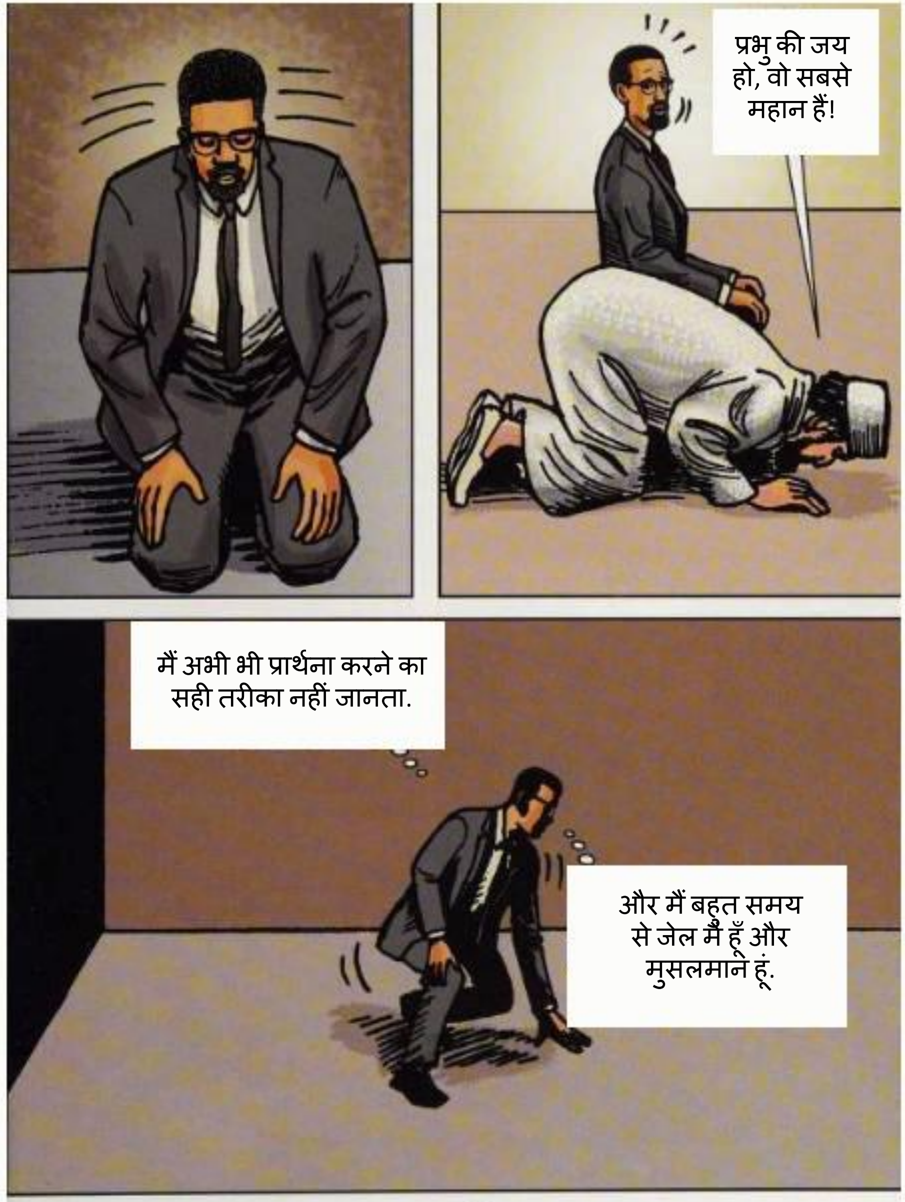

प्रभु की जय हो, वो सबसे महान हैं!
मैं अभी भी प्रार्थना करने का सही तरीका नहीं जानता.
और मैं बहुत समय से जेल में हूँ और मुसलमान हूं.

चार्ल्स टाउन जेल, 1946
जब मैल्कम 20 साल का था तो उसे चोरी के आरोप में जेल भेजा गया था. उस समय उनका नाम मैल्कम लिटिल था.
अश्वेत होने के कारण ही मैं जेल में हूँ.
क्या तुम्हें उस बात पर यकीन है?
उसी अपराध के लिए किसी गोरे को जेल नहीं भेजा जाता!
तुम यहाँ इसलिए हो क्योंकि तुम अज्ञानी हो. तुम्हारे पास यह एक अच्छा मौका है.
जेल में समय का सदुपयोग करो. दिमाग का प्रयोग करो. जितना हो सके उतना पढ़ो.
मैल्कम ने बिम्बी की सलाह मानी. उसने वो हर किताब पढ़ी जो उसके हाथ लगी. वो जेल के स्कूल के भी पढ़ा.
जेल की शिक्षा ने मैल्कम के जीवन को बदला. भाई रेजिनाल्ड से, उसने इस्लाम धर्म के बारे में सीखा. उसे "नेशन ऑफ इस्लाम" नाम के एक अश्वेत संगठन के बारे में पता चला.
तुम एलियाह मुहम्मद को लिखो.
वो "नेशन ऑफ इस्लाम" के नेता हैं.
वो कहते हैं कि सभी गोरे लोग शैतान होते हैं.

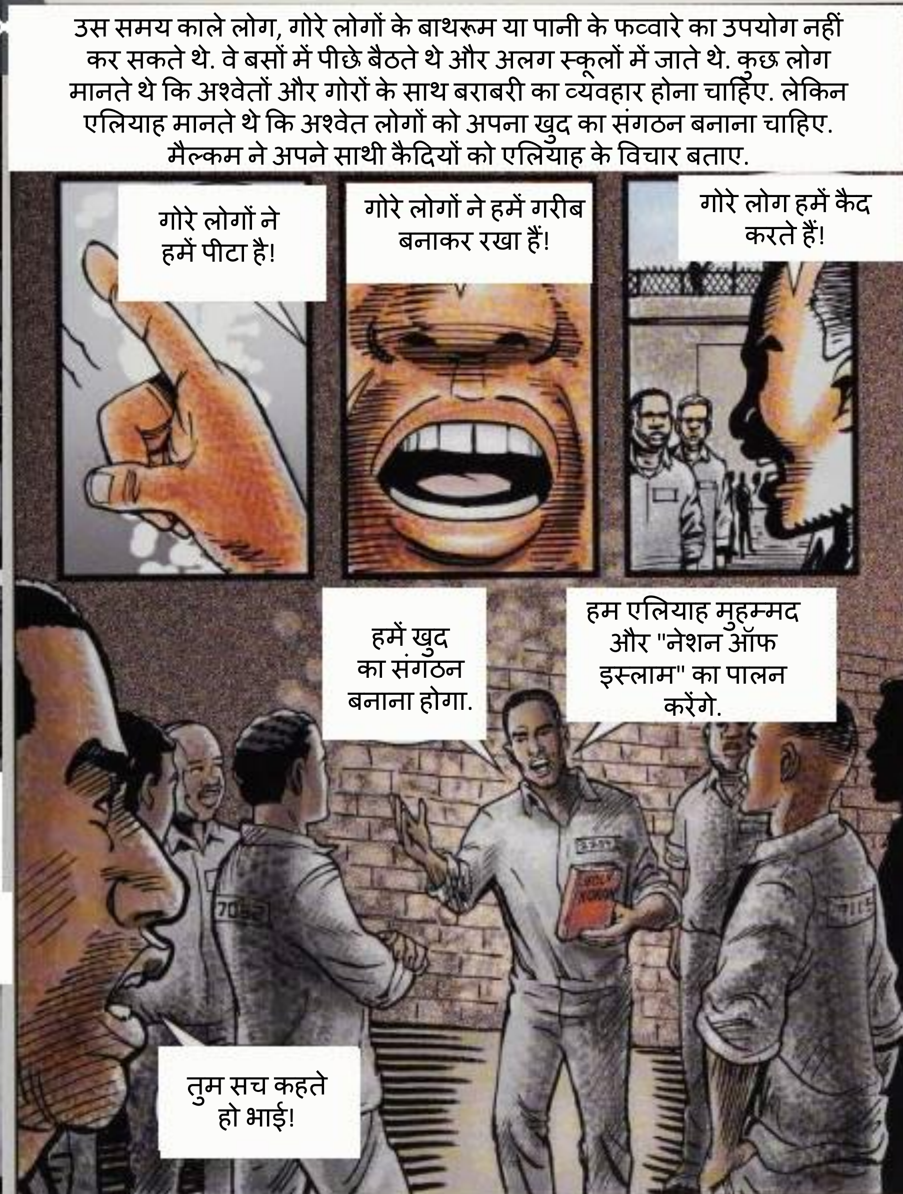
उस समय काले लोग, गोरे लोगों के बाथरूम या पानी के फव्वारे का उपयोग नहीं कर सकते थे. वे बसों में पीछे बैठते थे और अलग स्कूलों में जाते थे. कुछ लोग मानते थे कि अश्वेतों और गोरों के साथ बराबरी का व्यवहार होना चाहिए. लेकिन एलियाह मानते थे कि अश्वेत लोगों को अपना खुद का संगठन बनाना चाहिए. मैल्कम ने अपने साथी कैदियों को एलियाह के विचार बताए.
गोरे लोगों ने हमें पीटा है!
गोरे लोगों ने हमें गरीब बनाकर रखा हैं!
गोरे लोग हमें कैद करते हैं!
हमें खुद का संगठन बनाना होगा.
हम एलियाह मुहम्मद और "नेशन ऑफ इस्लाम" का पालन करेंगे.
तुम सच कहते हो भाई!

जो ज़रूरी हो वो करें
जब 1946 में जब जेल गया तब मैल्कम युवा और अशिक्षित था. छह साल बाद, उसने एक विचारक, शिक्षित और मुखर आदमी की हैसियत से जेल छोड़ा.
तुम अब जा सकते हो.
आज़ादी?
एक अश्वेत आदमी के लिए इसका क्या मतलब होगा, वो मैं समझा नहीं
मैल्कम ने एलियाह मुहम्मद को खोजा. वो "नेशन ऑफ इस्लाम" में शामिल हुआ.
अबसे तुम्हें मैल्कम एक्स के नाम से जाना जाएगा.
तुम्हारा अंतिम नाम लिटिल, जो तुम्हारे पूर्वजों को गोरे दास मालिकों ने दिया था. अब तुम उसका उपयोग नहीं करोगे.
. एक्स (X) तुम्हारे अज्ञात अफ्रीकी नाम को दर्शायेगा.

MOSQUE
यह वो जगह है जहाँ हम मिलते हैं. यहाँ डेट्रायट में हमारे केवल कुछ दर्जन ही सदस्य हैं.
इतने कम? क्या मैं और सदस्यों की भर्ती में मदद कर सकता हूँ?
कई लोगों ने जेल में मेरी बात सुनी. वे यहाँ भी मेरी बात सुनेंगे.
तुम एक भावुक वक्ता हो - मैल्कम, और मुखर भी. तुम एक अच्छे प्रवक्ता बनोगे .

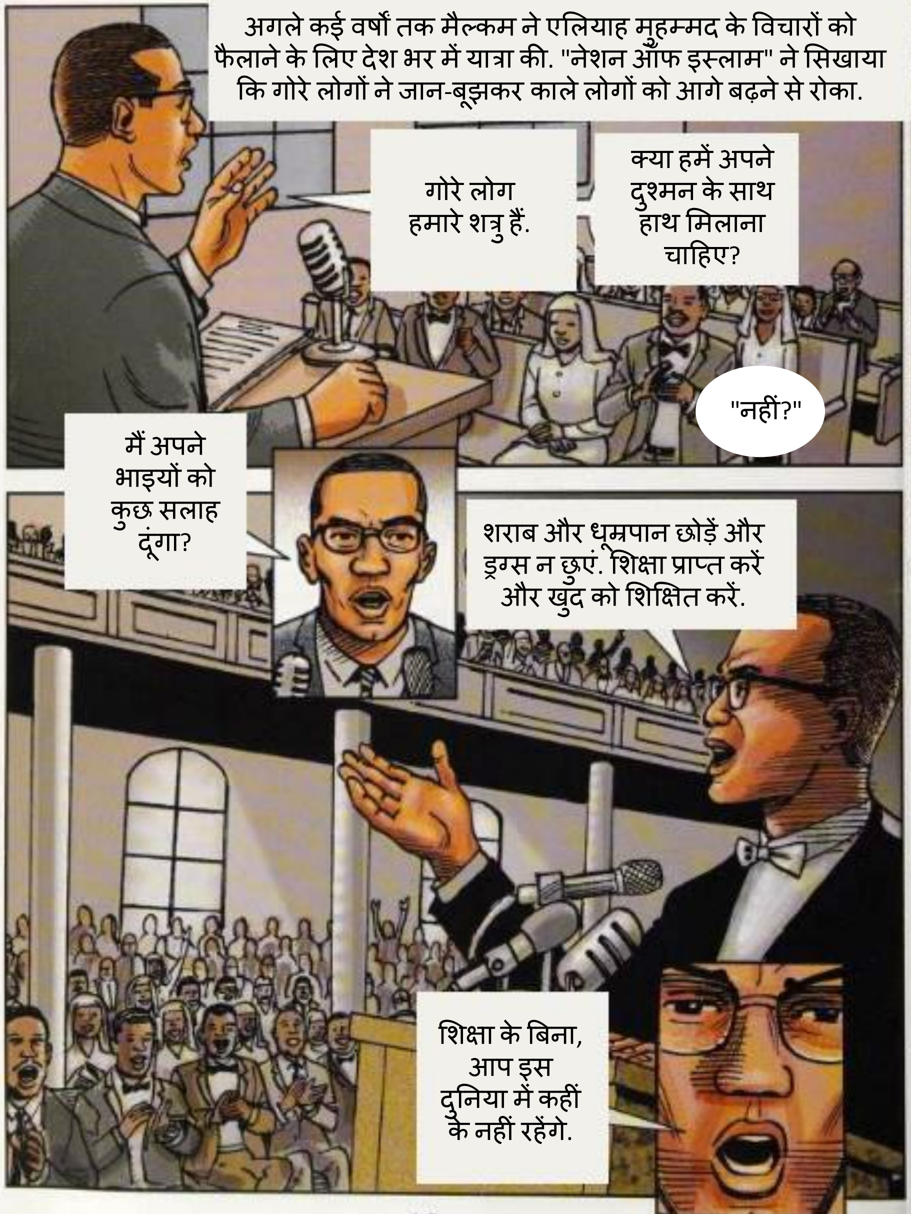
अगले कई वर्षों तक मैल्कम ने एलियाह मुहम्मद के विचारों को फैलाने के लिए देश भर में यात्रा की. "नेशन ऑफ इस्लाम" ने सिखाया कि गोरे लोगों ने जान-बूझकर काले लोगों को आगे बढ़ने से रोका.
गोरे लोग हमारे शत्रु हैं.
क्या हमें अपने दुश्मन के साथ हाथ मिलाना चाहिए?
"नहीं?"
मैं अपने भाइयों को कुछ सलाह दूंगा?
शराब और धूम्रपान छोड़ें और ड्रग्स न छुएं. शिक्षा प्राप्त करें और खुद को शिक्षित करें.
शिक्षा के बिना, आप इस दुनिया में कहीं के नहीं रहेंगे.

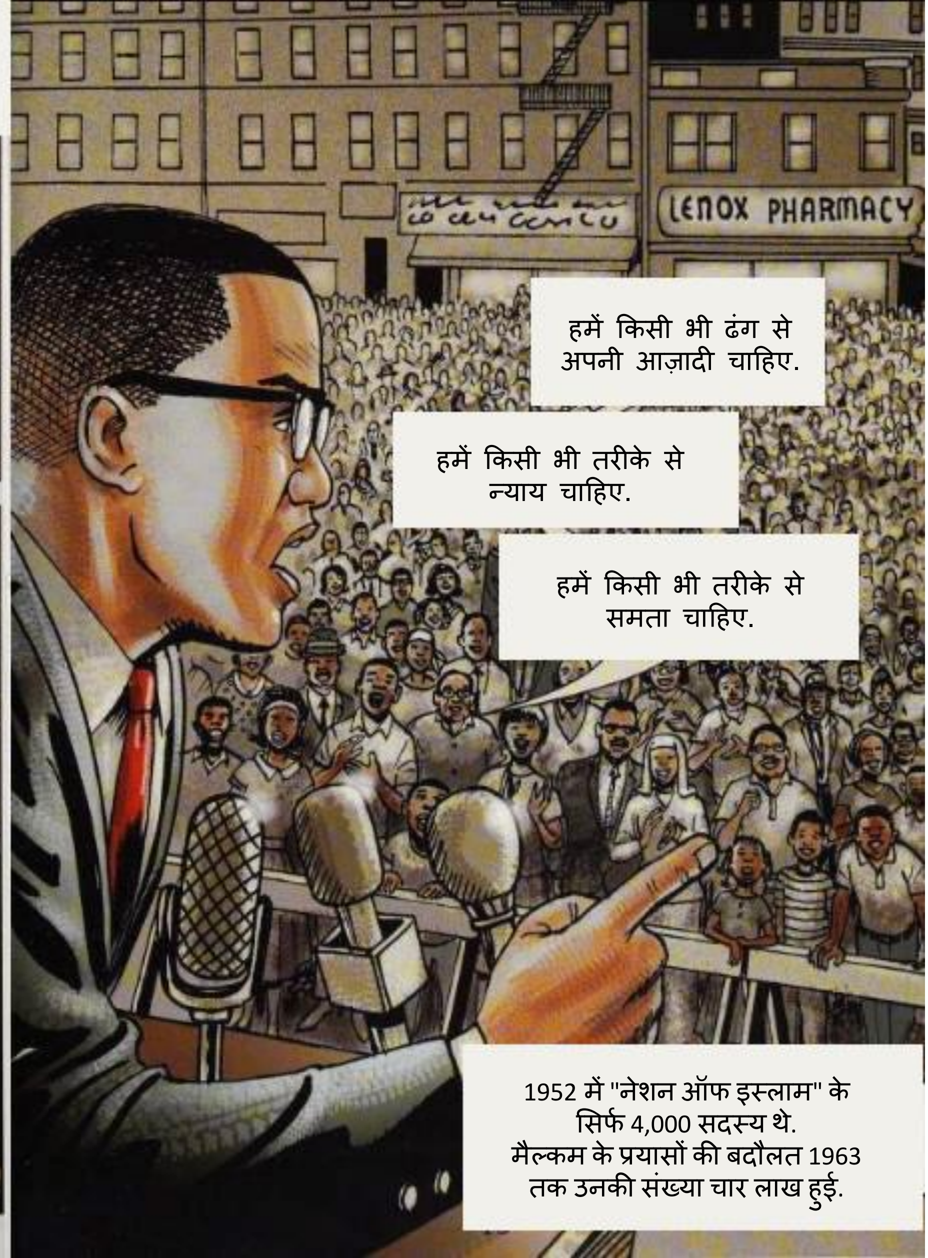
LENOX PHARMACY
हमें किसी भी ढंग से अपनी आज़ादी चाहिए.
हमें किसी भी तरीके से न्याय चाहिए.
हमें किसी भी तरीके से समता चाहिए.
1952 में "नेशन ऑफ इस्लाम" के सिर्फ 4,000 सदस्य थे. मैल्कम के प्रयासों की बदौलत 1963 तक उनकी संख्या चार लाख हुई.

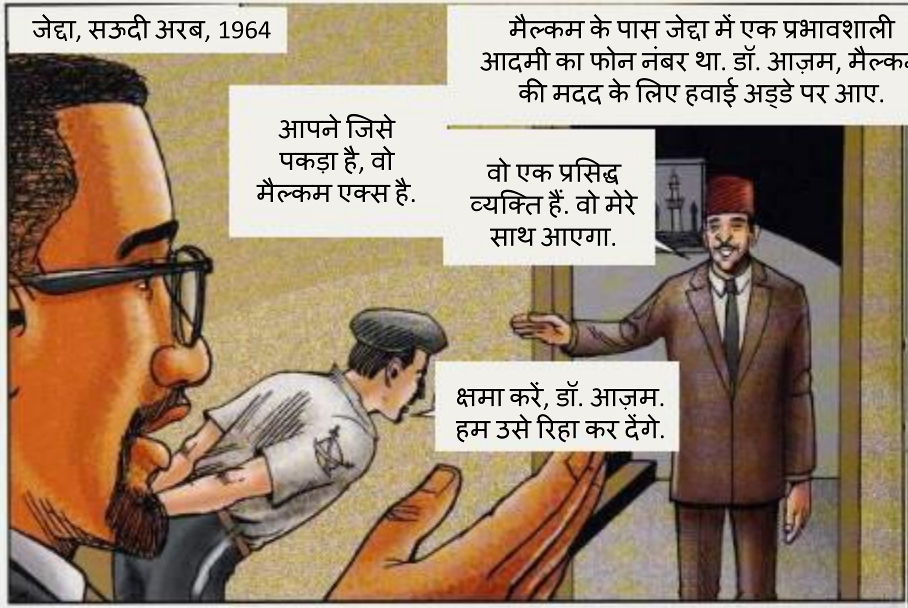
जेद्दा, सऊदी अरब, 1964
मैल्कम के पास जेद्दा में एक प्रभावशाली आदमी का फोन नंबर था. डॉ. आज़म, मैल्कम की मदद के लिए हवाई अड्डे पर आए.
आपने जिसे पकड़ा है, वो मैल्कम एक्स है.
वो एक प्रसिद्ध व्यक्ति हैं. वो मेरे साथ आएगा.
क्षमा करें, डॉ. आज़म. हम उसे रिहा कर देंगे.

मक्का जाने तक आप मेरे मेहमान होंगे.
मैं आपका धन्यवाद कैसे अदा करूं.

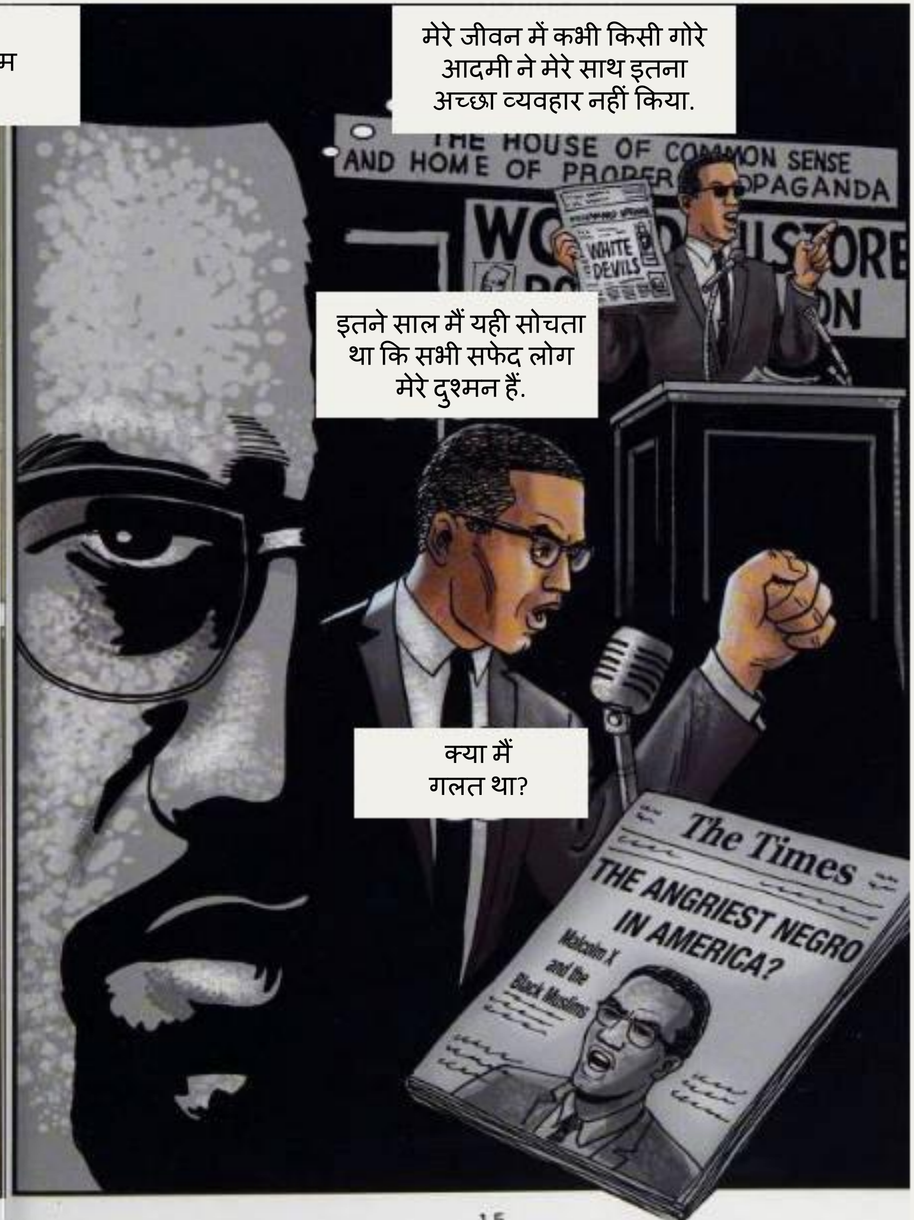
मेरे जीवन में कभी किसी गोरे आदमी ने मेरे साथ इतना अच्छा व्यवहार नहीं किया.
WHITE DEVILS
इतने साल मैं यही सोचता था कि सभी सफेद लोग मेरे दुश्मन हैं.
क्या मैं गलत था?
The Times
THE ANGRIEST NEGRO IN AMERICA?
Malcolm X and the Black Muslims

हिंसा के बिना क्रांति

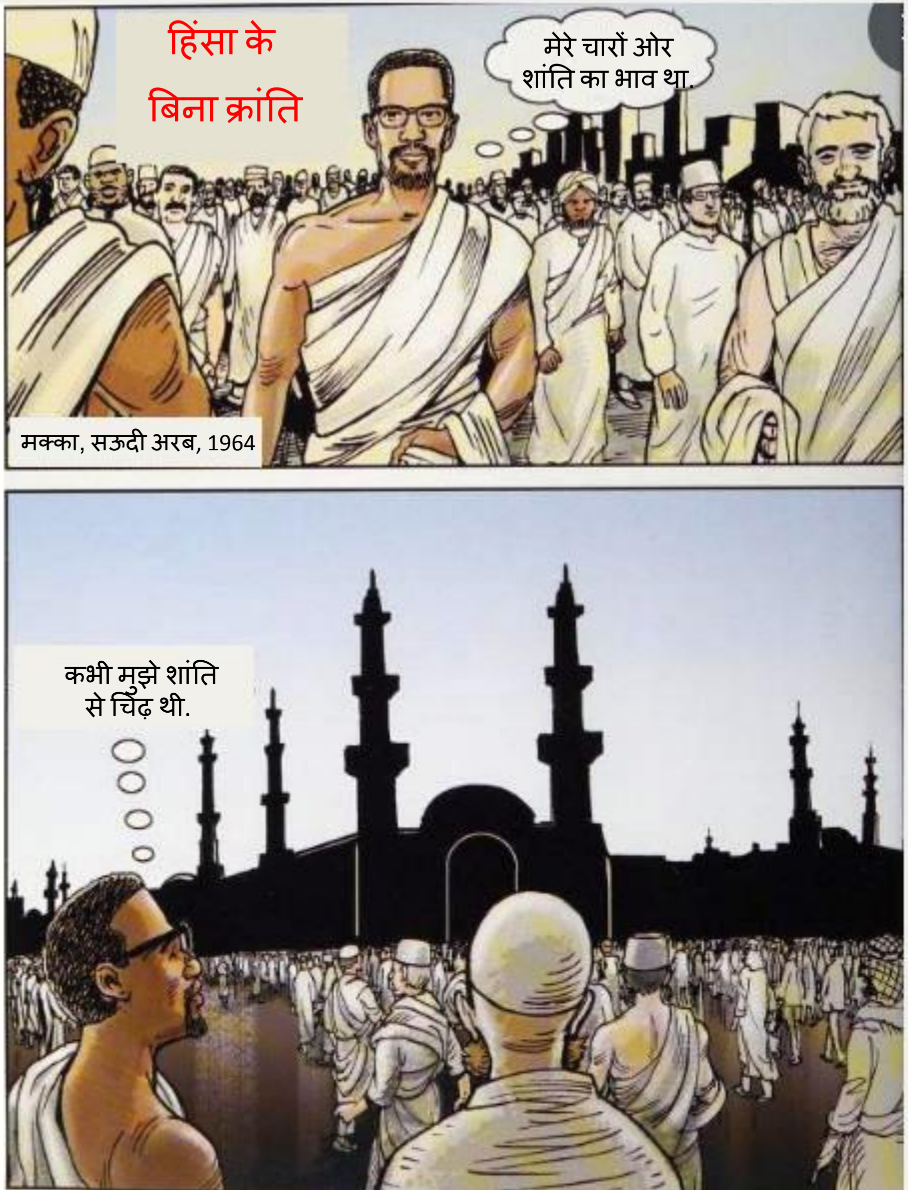
मेरे चारों ओर शांति का भाव था.
मक्का, सऊदी अरब, 1964
कभी मुझे शांति से चिढ़ थी.

1963 के दौरान
नागरिक अधिकार नेता डॉ. मार्टिन लूथर किंग के बारे में तुम्हारे क्या विचार हैं?
डॉ. किंग अहिंसक क्रांति में विश्वास करते हैं. लेकिन मैं पूछता हूं कि हिंसा के बिना क्या कभी कुछ हासिल होगा?
डेट्रायट, नवंबर 1963
क्रांति खूनी होती है. क्रांति शत्रुतापूर्ण होती है, क्रांति कोई समझौता नहीं जानती, क्रांति अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को नष्ट कर देती है.

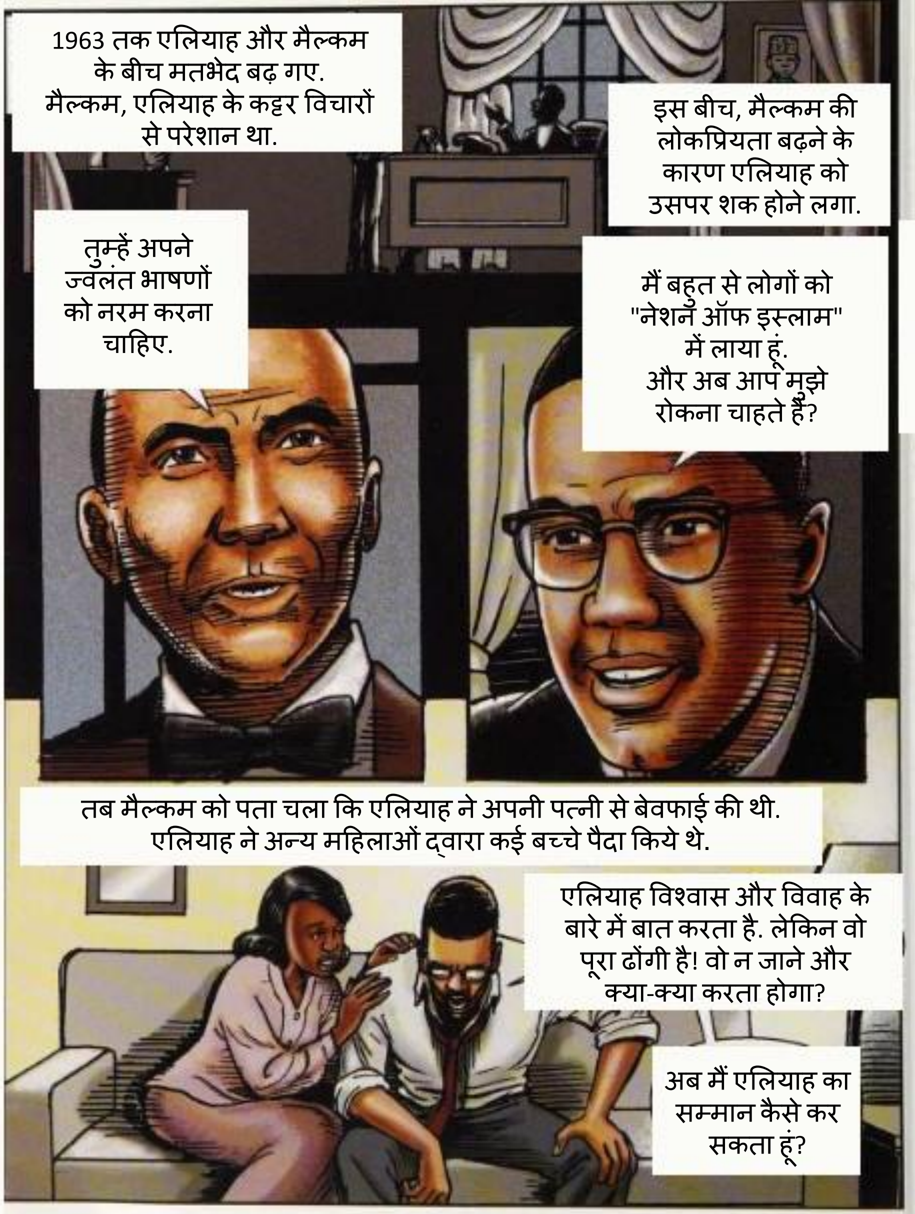
1963 तक एलियाह और मैल्कम के बीच मतभेद बढ़ गए. मैल्कम, एलियाह के कट्टर विचारों से परेशान था.
इस बीच, मैल्कम की लोकप्रियता बढ़ने के कारण एलियाह को उसपर शक होने लगा.
तुम्हें अपने ज्वलंत भाषणों को नरम करना चाहिए.
मैं बहुत से लोगों को "नेशन ऑफ इस्लाम" में लाया हूं. और अब आप मुझे रोकना चाहते हैं?
तब मैल्कम को पता चला कि एलियाह ने अपनी पत्नी से बेवफाई की थी. एलियाह ने अन्य महिलाओं द्वारा कई बच्चे पैदा किये थे.
एलियाह विश्वास और विवाह के बारे में बात करता है. लेकिन वो पूरा ढोंगी है! वो न जाने और क्या-क्या करता होगा?
अब मैं एलियाह का सम्मान कैसे कर सकता हूं?

दिसंबर 1,1963
जल्द ही मैल्कम और एलियाह के बीच अंतर और बढ़े. जब राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या हुई तो एलियाह ने मैल्कम को उस विषय पर न बोलने की चेतावनी दी.
कैनेडी की हत्या में गोरों की घृणा दिखाई देती है. पर गोरों की घृणा अब उनको ही बर्बाद कर रही है.
लोगों को लगा कि मैल्कम ने कहा था - कि कैनेडी मरने लायक था. बाद में मैल्कम ने स्पष्ट किया कि उनका मतलब था, कि हिंसा और अधिक हिंसा को जन्म देगी. लेकिन एलियाह के ऊपर उसका कोई असर नहीं हुआ.
SUN-TIMES
तुमने मेरे आदेशों को ठुकराया है?
तुम्हें 90 दिनों के लिए "नेशन ऑफ इस्लाम" से निकाला जाता है.
मैंने कड़ी मेहनत की.और आप मुझे निकाल रहे हैं?
फिर मैल्कम कभी भी "नेशन ऑफ इस्लाम" में वापिस नहीं लौटा.
मैल्कम ने "मुस्लिम मस्जिद" और फिर "एफ्रो-अमेरिकन यूनिटी" संगठन बनाया.

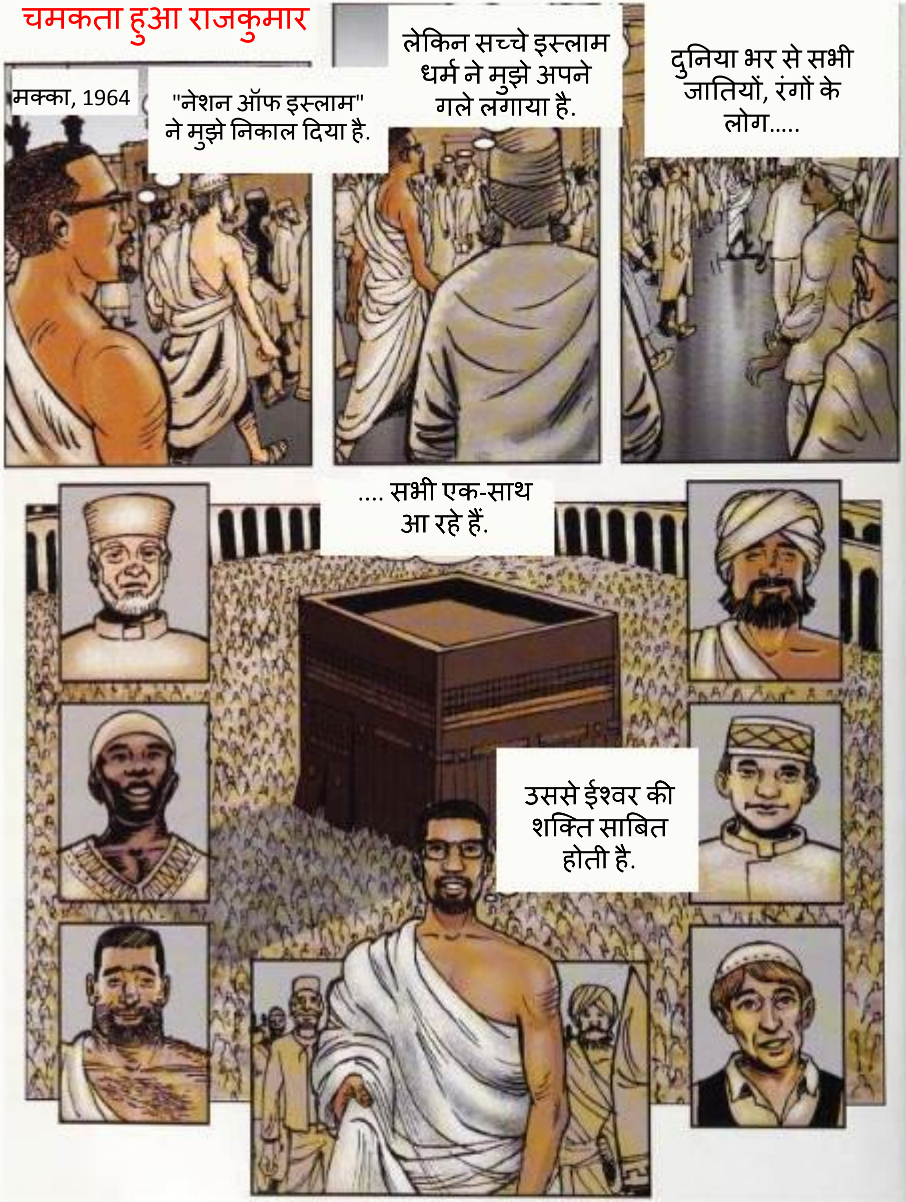
मक्का, 1964
"नेशन ऑफ इस्लाम" ने मुझे निकाल दिया है.
लेकिन सच्चे इस्लाम धर्म ने मुझे अपने गले लगाया है.
दुनिया भर से सभी जातियों, रंगों के लोग.....
.... सभी एक-साथ आ रहे हैं.
उससे ईश्वर की शक्ति साबित होती है.

मेरी इच्छा है कि सभी अमेरिकी नागरिक, एक-होकर जीना सीखें ...
... वो हमेशा एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते ही रहते हैं.
मैल्कम ने अपने परिवार और दोस्तों को मक्का के अपने अनुभवों के बारे में बताया और लिखा. उसने मुस्लिम मस्जिद को भी लिखा, और अपने पत्र को प्रकाशित करने को कहा.
उससे अमेरिकियों को झटका लगेगा. उनके लिए, नफरत और मैं एक-सामान हूं.
what I have seen
has forced me to toss
aside my previous
conclusion

जब मैल्कम अमेरिका लौटा,
तो उसने अपनी नई मान्यताओं का प्रचार-प्रसार किया.
मेरी यात्राओं में - मुझे यह महसूस हुआ है कि सभी लोगों में - काले और सफेद दोनों में, एकता होनी चाहिए.
मेरा सभी के मानवाधिका-रों में विश्वास है....
कोई किसी का तिरिस्कार न करे!
मैं हर रूप में नस्लवाद और अलगाव के खिलाफ हूं.
मेरा मनुष्यों में विश्वास है और सभी मनुष्यों का - रंग की परवाह किए बिना, सम्मान होना चाहिए.

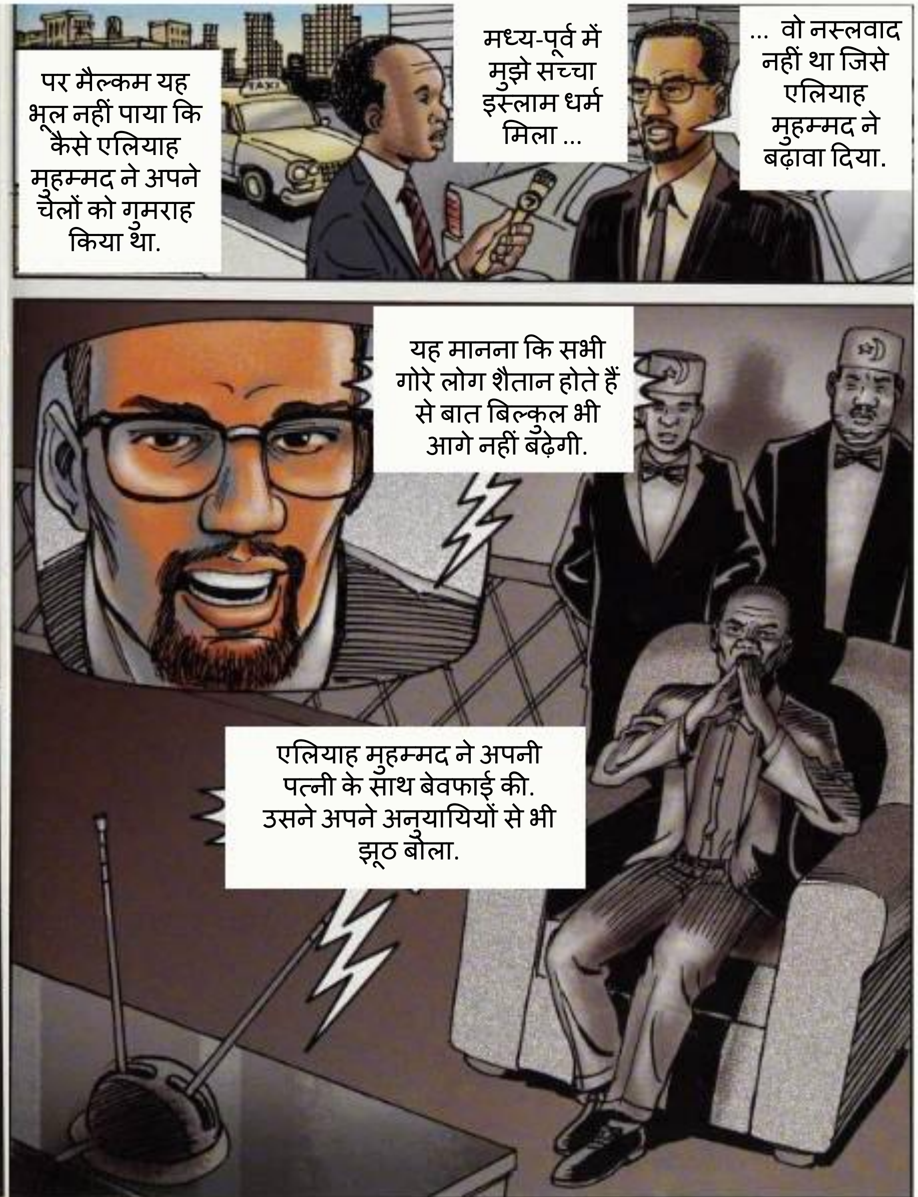
पर मैल्कम यह भूल नहीं पाया कि कैसे एलियाह मुहम्मद ने अपने चेलों को गुमराह किया था.
मध्य-पूर्व में मुझे सच्चा इस्लाम धर्म मिला ...
... वो नस्लवाद नहीं था जिसे एलियाह मुहम्मद ने बढ़ावा दिया.
यह मानना कि सभी गोरे लोग शैतान होते हैं से बात बिल्कुल भी आगे नहीं बढ़ेगी.
एलियाह मुहम्मद ने अपनी पत्नी के साथ बेवफाई की. उसने अपने अनुयायियों से भी झूठ बोला.

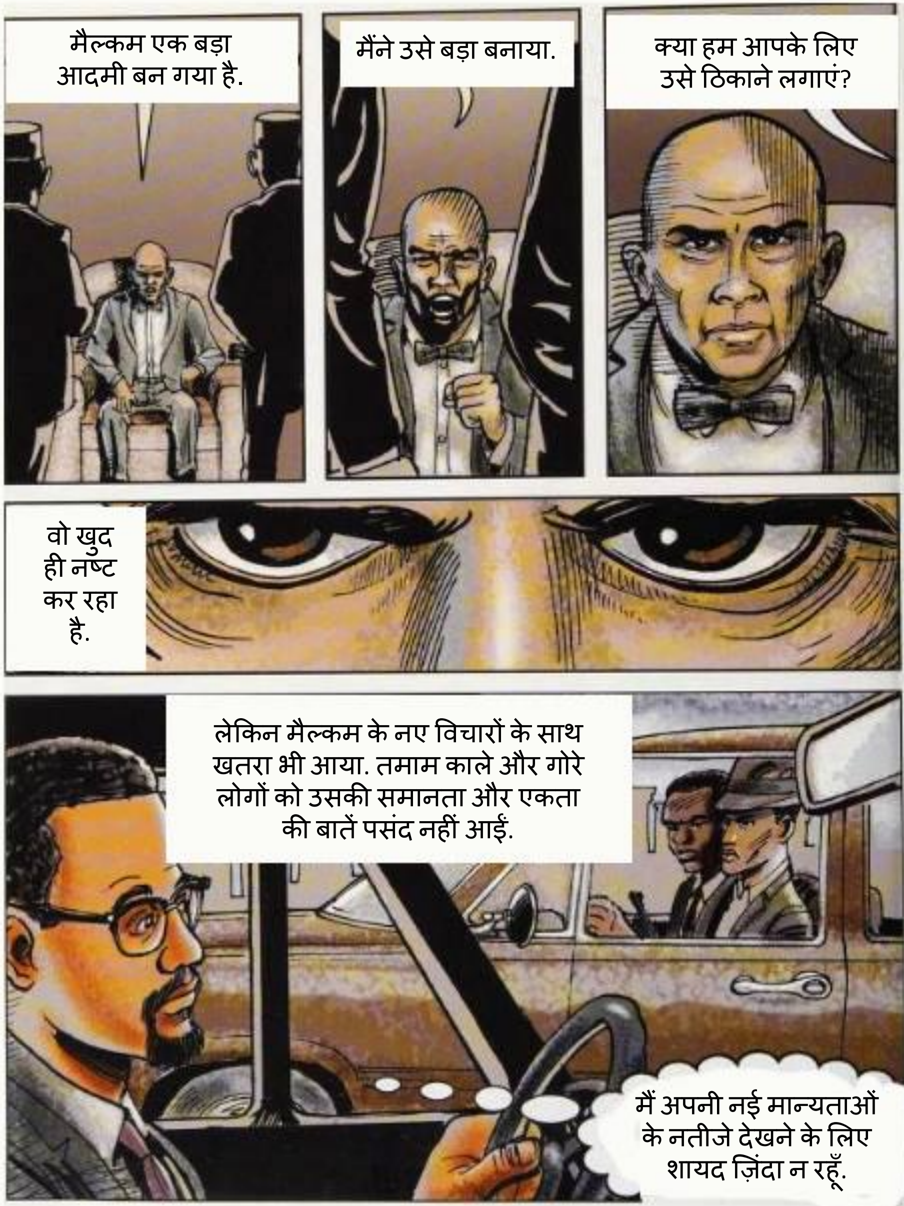
मैल्कम एक बड़ा आदमी बन गया है.
मैंने उसे बड़ा बनाया.
क्या हम आपके लिए उसे ठिकाने लगाएं?
वो खुद ही नष्ट कर रहा है.
लेकिन मैल्कम के नए विचारों के साथ खतरा भी आया. तमाम काले और गोरे लोगों को उसकी समानता और एकता की बातें पसंद नहीं आईं.
मैं अपनी नई मान्यताओं के नतीजे देखने के लिए शायद ज़िंदा न रहूँ.

मैल्कम को लगा कि उसकी जिंदगी पहले से ज्यादा खतरे में थी. जल्द ही उसे मौत की धमकियाँ मिलने लगीं.
मुझे कल रात एक और मौत की धमकी मिली.
उसके पीछे "नेशन ऑफ़ इस्लाम" के लोग हैं.
मैल्कम, हम क्या करें?
तुम इसका उपयोग सीखो.
शायद इसकी ज़रुरत पड़े.
जब उनके घर पर बम्ब फेंका गया तो मैल्कम को लगा कि अब उसकी मृत्यु निकट थी.
मैं परिवार को खतरे में नहीं डालना चाहता था.
मैं नहीं चाहती कि तुम अपने विचार बदलो.
मैल्कम, तुमने लाखों लोगों को खुद पर गर्व करना सिखाया है.

21,1965 फरवरी
बम्ब फेंकने के एक सप्ताह बाद मैल्कम को न्यूयॉर्क शहर के ऑडबोन बॉलरूम में भाषण के लिए बुलाया गया.
मैं यहाँ मैल्कम एक्स को मंच पर आमंत्रित करता हूं.
तुम्हें शांति मिले.
मेरी जेब से अपना हाथ निकालो!
शांत रहो भाइयों.
दर्शकों में एक खलबली मची. दुश्मन उसी मौके के इंतजार में थे. तीन बंदूकधारियों ने मंच पर धावा बोला और मैल्कम पर 16 गोलियां चलाईं.

AUDUBON BALLROOM
रोको! मैल्कम एक्स को गोली मारी है!
मैल्कम एक्स की हत्या के लिए "नेशन ऑफ़ इस्लाम" के तीन सदस्यों को पकड़ा गया और उन पर आरोप लगा. दो ने बेगुनाही का दावा किया, लेकिन तीनों दोषी पाए गए.
एलियाह मुहम्मद ने हत्या में अपनी भागीदारी से इनकार किया...
हत्या के बारे में...
मैंने आपसे पहले ही कहा था, कि मेरा उससे कोई लेना-देना नहीं है! !
दुनिया भर में लाखों लोगों ने मैल्कम एक्स की हत्या का शोक मनाया. प्रसिद्ध अभिनेता ओस्सी डेविस ने मैल्कम के अंतिम संस्कार में श्रद्धांजलि दी.
वह हमारा अपना अश्वेत चमकता हुआ राजकुमार था. उसने मरने से संकोच नहीं किया क्योंकि वो हमसे प्यार करता था.
मैल्कम के विचारों को आने वाले कई वर्षों तक याद किया जाएगा.

मैल्कम एक्स के बारे में अधिक जानकारी

यद्यपि जनता ने उन्हें एक अश्वेत आतंकवादी के रूप में लेबल किया लेकिन मैल्कम एक्स का एक आकर्षक व्यक्तित्व था. वो अक्सर मुस्कुराते रहते थे और लोगों को हंसाते थे. वो इस तरह से बात करते थे जिससे युवा और बूढ़े, शिक्षित और अशिक्षित सभी उनकी बातों को समझ जाएं.

मैल्कम का बचपन काफी कठिन था. जब वो सिर्फ छह साल का था, तो उसके पिता एक स्ट्रीटकार दुर्घटना में मारे गए. कुछ लोगों के अनुसार उन्हें सफेद नस्लवादियों ने पीटा और फिर उन्हें पटरियों पर धकेल दिया. जब वो 13 साल का था, तो मैल्कम की मां को मानसिक अस्पताल में भेजा दिया गया था. मैल्कम और उसके 10 भाई-बहनों को अलग-अलग घरों में रहने के लिए भेजा गया. आठवीं कक्षा के बाद उसने स्कूल छोड़ दिया और जल्द ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया.

जेल के बाद माल्कोम ने इतिहास, धर्म और दर्शन की पुस्तकें पढ़ना जारी रखा. वो हर रात केवल चार घंटे ही सोता था. उसे उम्मीद थी कि अश्वेत समुदाय उसकी ज़िंदगी के उदाहरण का अनुसरण करेगा और खुद को शिक्षित बनाएगा. उसने कहा. "शिक्षा आपके भविष्य का पासपोर्ट है, कल केवल उन्हीं लोगों का होगा जो आज उसकी तैयारी करेंगे."

पत्नी और परिवार के सदस्यों ने मैल्कम की मृत्यु के बाद उसके विचारों को फैलाना जारी रखा. नागरिक अधिकार आंदोलन 1960 के दशक तक जारी रहा और उससे अफ्रीकी-अमेरिकियों को कार्यस्थल और समाज में समानता हासिल करने में मदद मिली. नस्लवाद के खिलाफ संघर्ष, आज भी जारी है.

मैल्कम एक्स ने अफ्रीकी-अमेरिकियों के संघर्षों को बड़े सटीक ढंग से व्यक्त किया. नस्ल, समानता और एकता पर अपने नए विचारों को पूरी तरह से कार्यान्वित करने से पहले ही मैल्कम की मृत्यु हो गई. बहरहाल, मानव अधिकारों के संघर्ष में मैल्कम एक्स ने एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वो एक स्थायी विरासत को अपने पीछे छोड़ गए.

मैं लोगों में विश्वास करता हूं, और हमें सभी लोगों का आदर करना चाहिए और उनके रंग को नहीं देखना चाहिए. - मैल्कम एक्स